



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

30 अग्रहायण, 1940 (श०)

संख्या- 1145 राँची, शुक्रवार,

21 दिसम्बर, 2018 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

20 दिसम्बर, 2018

संख्या-5/आरोप-1-114/2016 का-2904 (HRMS)--श्री गिरिवर मिंज, झा०प्र०से० (चतुर्थ 'सीमित' बैच, गृह जिला-गढ़वा), तत्कालीन कार्यपालक दण्डाधिकारी, छत्तरपुर के विरुद्ध ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड के पत्रांक-1974, दिनांक 23 अगस्त, 2016 के माध्यम से उपायुक्त, पलामू के पत्रांक-647/मनरेगा, दिनांक 30 जुलाई, 2016 द्वारा प्रपत्र-'क' में आरोप गठित कर उपलब्ध कराया गया, जिसमें इनके विरुद्ध निम्नवत् आरोप प्रतिवेदित किये गये हैं:-

आरोप- छत्तरपुर प्रखण्ड में डोभा निर्माण में बरती गई अनियमितता तथा JCB मशीन उपयोग करने संबंधी श्री जवाहर मेहता से प्राप्त परिवाद के आलोक में इस कार्यालय के पत्रांक 385 दिनांक 2 जून, 2016 के द्वारा आपके द्वारा बरती गयी अनियमितता के संबंध में जाँच कर जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया था। आपके द्वारा जाँच प्रतिवेदन में डोभा निर्माण संबंधी रोजगार सेवक, पंचायत सेवक के साथ-साथ ग्रामीणों से पूछ-ताछ कर डोभा निर्माण में JCB मशीन के प्रयोग नहीं होने की बात कही गयी है। आपसे प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के आलोक में आपसे स्पष्टीकरण पूछा

गया था जिसमें आपने उल्लेख किया है कि "मेरे द्वारा की गई जाँच में सत्यता को नहीं छुपाया गया है और न भ्रामक प्रतिवेदन से उच्चधिकारियों को गुमराह किया गया है। मेरे द्वारा ग्राम रोजगार सेवक, मुखिया एवं ग्रामीणों के समक्ष लाभुक का बयान लिया गया है। किसी भी ग्रामीण द्वारा JCB मशीन का प्रयोग होने की पुष्टि नहीं की गई है। जिसके आधार पर प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। मेरे द्वारा इस मामले को गंभीरतापूर्वक लिया गया है, इसमें कोई लापरवाही नहीं बरती गई है।"

इस संबंध में विशेष कार्य पदाधिकारी, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड के पत्र संख्या 1691 दिनांक 26 जुलाई, 2016 से प्राप्त मनरेगा आयुक्त, झारखण्ड द्वारा छत्तरपुर प्रखण्ड अन्तर्गत मसिहानी, चिरु एवं मुरुमदाग में मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण संबंधी प्राप्त जाँच प्रतिवेदन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि प्रायः सभी योजनाओं का क्रियान्वयन प्राक्कलन एवं नियमानुसार नहीं किया गया है। योजनाओं में व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरती गई है। जाँच प्रतिवेदन में पंचायत मसिहानी के ग्राम बगैया, पंचायत मसिहानी के ग्राम मसिहानी, पंचायत चिरु के ग्राम डड़टूटा व ग्राम चिरु एवं पंचायत मुरुमदाग के ग्राम गुडरी में क्रियान्वित डोभा योजना में JCB मशीन का उपयोग करने, अभिलेख के तकनीकी प्रतिवेदन में कनीय अभियंता का फर्जी हस्ताक्षर अंकित रहने संबंधी उल्लेख किया गया है। स्पष्ट है कि आपके द्वारा श्री जवाहर मेहता द्वारा दिए गए परिवाद पत्र में उल्लेखित तथ्यों की जाँच नहीं की गई है। मात्र खानापूति तथा तथ्यों एवं कागजातों की भली-भाँति जाँच किए बगैर बरती गई अनियमितता को छुपाया गया है। साथ-साथ आपके द्वारा तथ्यों को छुपाकर तथा भ्रामक प्रतिवेदन दिया गया है। आप एक सरकारी पदाधिकारी हैं। आपको उच्चधिकारियों द्वारा दिए गए परिवादों की जाँच स्वतंत्र रूप से तथ्यों एवं कागजातों के आधार पर करनी चाहिए थी। आपके जाँच प्रतिवेदन से स्पष्ट है कि आपने मात्र तथ्यों से हटकर मानमाने ढंग से जाँच कर प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। यह आचरण आपके कार्यों के प्रति लापरवाही का द्योतक एवं मनरेगा के मार्गदर्शिका के विपरीत है।

उक्त आरोपों के लिए विभागीय पत्रांक-8356, दिनांक 26 सितम्बर, 2016 द्वारा श्री मिंज से स्पष्टीकरण की माँग की गयी, जिसके अनुपालन में श्री मिंज के पत्र, दिनांक 17 अक्टूबर, 2016 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया।

श्री मिंज के स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक-9862, दिनांक 23 नवम्बर, 2016 द्वारा उपायुक्त, पलामू से मंतव्य की माँग की गयी। उक्त के आलोक में उपायुक्त, पलामू के पत्रांक-85/मनरेगा, दिनांक 2 फरवरी, 2017 द्वारा श्री मिंज के स्पष्टीकरण पर मंतव्य उपलब्ध कराया गया, जिसके समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प सं०-3253, दिनांक 20 मार्च, 2017 द्वारा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-311, दिनांक 23 अक्टूबर, 2017 द्वारा विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया, जिसमें संचालन पदाधिकारी द्वारा मंतव्य दिया गया कि किसी भी योजना में सरकारी राशि का भुगतान नहीं हुआ था और योजनाओं को रद्द भी कर दिया गया, अतः

आरोपी को भविष्य में ऐसी गलती नहीं करने की चेतावनी देते हुए आरोप मुक्त करने पर विचार किया जा सकता है ।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त मंतव्य की समीक्षा की गयी । समीक्षा में पाया गया कि श्री मिंज द्वारा दिनांक 31 मई, 2016 को डोभा निर्माण से संबंधित योजनाओं की जाँच की गयी तथा अगले ही दिन दिनांक 01 जून, 2016 को मनरेगा आयुक्त द्वारा योजनाओं की जाँच की गयी, जिसमें काफी अंतर पाया गया । मात्र 24 घंटे के अंतराल पर योजनाओं की जाँच प्रतिवेदन में भिन्नता से स्पष्ट है की श्री मिंज द्वारा योजनाओं की जाँच में लापरवाही बरती गई एवं बाद में योजनाओं को रद्द कर दिया गया ।

अतः समीक्षोपरांत, श्री गिरिवर मिंज, झा०प्र०से०, तत्कालीन कार्यपालक दंडाधिकारी, छत्तरपुर के विरुद्ध सेवा संपुष्टि की अर्हता की तिथि से झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गिकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14(iii) के तहत असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक का शास्ति अधिरोपित किया जाता है ।

Sr No.	Employee Name G.P.F. No.	Decision of the Competent authority
1	2	3
1	GIRIWAR MINJ JHK/JAS/285	गिरिवर मिंज, झा०प्र०से०, तत्कालीन कार्यपालक दंडाधिकारी, छत्तरपुर के विरुद्ध सेवा संपुष्टि की अर्हता की तिथि से असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक का शास्ति अधिरोपित किया जाता है ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अशोक कुमार खेतान,

सरकार के संयुक्त सचिव।

जीपीएफ संख्या:BHR/BAS/2972
